

आत्मप्रकाशकुमार

● **जीवन-यात्रा** : 22 सितम्बर, 1937 को डेरा गाज़ीखान (अविभाजित भारत) में जन्म। शिक्षा इन्टर साइन्स, हिन्दी विशारद (साहित्य)। 1959 से रेलवे के विभिन्न पदों पर रहकर 1994 में मुख्य संकेत निरीक्षक (सिग्नल) अहमदाबाद पश्चिम रेलवे के पद से निवृत्त। फाउण्डर मेम्बर लाफिंग क्लब, अहमदाबाद। देश-विदेश में कई क्लबों का संचालन। स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित। 22-09-2006 से 30-09-2006 तक विश्वप्रसिद्ध योगगुरु परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज द्वारा मुख्य योग शिक्षक का प्रशिक्षण। चार वर्षों तक अध्यक्ष, पतंजलि योग समिति, अहमदाबाद (पश्चिम विभाग)। देश-विदेश में विभिन्न योग शिबिरों का संचालन एवं योग प्रशिक्षण। वर्तमान में योग के प्रचार-प्रसार, साहित्य-सृजन एवं जन-सेवा के कार्य में संलग्न।

● **साहित्य-यात्रा** : (1) 'पतझर भी मधुमास हो गया' (काव्य-संग्रह), (2) 'अनुभव सतसई' (711 दोहे), (3) 'परछाईयाँ' (ग़ज़ल संग्रह), (4) 'आत्महज़ारा' (1008 दोहे), (5) 'कस्तूरी कुंडलि बसे' (333 कुंडलियाँ), (6) 'गहराईयाँ' (ग़ज़ल संग्रह), (7) 'भर्तृहरि के तीन शतक' (मूल संस्कृत से कुण्डलिया छन्द में हिन्दी काव्यानुवाद)।

● **अन्य साहित्यिक उपलब्धियाँ** : भारत की विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं द्वारा रजत-पदक, प्रशस्ति-पत्र एवं 30 सम्मानोपाधियों से सम्मानित, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं – 'दोहाश्री सारस्वत सम्मान', 'सुधावाणी सम्मान', 'सुषमा कृष्णमोहन साहित्यश्री अलंकार' 'विश्वकवि सम्मान', कविवर मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, ग़ज़ल रत्नाकर सम्मान, 'काव्य-कास्तुभ राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान', 'हिन्दी-सेवी सम्मान', 'विद्यावाचस्पति सम्मान आदि'।

● **विशेष** : मेरी प्रथम पुस्तक (1) 'पतझर भी मधुमास हो गया' की एक कविता 'हँसी के ठहाके' गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल द्वारा हिन्दी (उच्चतर) कक्षा-6 के पाठ्यक्रम में शामिल की गई है। (2) मेरी पुस्तक 'परछाईयाँ' (ग़ज़ल-संग्रह) को हिन्दी साहित्य अकादमी, गाँधीनगर, गुजरात राज्य, सन 2003 की सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया।

● **संपर्क-सूत्र** : ई-33, तक्षशिला एपार्टमेन्ट्स, प्रेमचन्दनगर रोड, वस्त्रापुर,
अहमदाबाद - 380 015

● **दूरभाष** : 079-2675 2957, मोबाईल : 98253 34479

● **ईमेल** : pysahmedabadwest@gmail.com